दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी/साप्ताहिक समाचार-पत्र

राष्ट्रहित में समर्पित समाचार-पत्र

RNI No.:DELHIN/2004/13919

शहीद भगत सिंह टाइम्स

वर्ष : 21 अंक : 31 सोमवार, 28 अप्रैल-4 मई, 2025, दिल्ली पृष्ठ: 4 मूल्य: 1 रुपया

सार संक्षेप

गाजियाबाद में वक्फ की जमीन हुई कब्जा मुक्त

कब्रिस्तान पर कई साल से था अवैध कब्जा, बुलडोजर लेकर पहुंचा प्रशासन

नई दिल्ली/गाजियाबाद- गाजियाबाद में वक्फ की जमीन पर कब्जे को आज बुलडोजर कार्रवाई से हटवाया गया.नगर पंचायत डासना स्थित खसरा संख्या 2211 सरकारी अभिलेखों में कब्रिस्तान की वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज है. कब्रिस्तान की जमीन पर कई सालों से अवैध कब्जा था. शनिवार को जिला प्रशासन द्वारा कब्रिस्तान की भूमि को पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी के माध्यम से कब्जा मुक्त कराने की कार्रवाई की गई है.

मिली जानकारी के मुताबिक कई सालों से कब्रिस्तान की भूमि पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा था और वहीं पर झुग्गियां बनाकर रह रहे थे. आरोप है कि स्थानीय दबंग और भूमाफियाओं द्वारा कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करवाया गया था.

भूमि को पहले कब्जा मुक्त कराया गया था. कुछ लोगों द्वारा भूमि पर फिर कब्जा कर लिया गया. भूमि को फिर कब्जा मुक्त कराने की कार्रवाई की गई है. उच्च न्यायालय के आदेश के तहत कब्रिस्तान की भूमि को कब्जा मुक्त कराने की कार्यवाही की गई है

- प्रवीण गुप्ता, नायब तहसीलदार

स्थानीय निवासियों ने बताया कि यहां दबंगों की मदद से कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा किया गया था. ÷खसरा नंबर 2211 कब्रिस्तान की भूमि है. कुछ लोगों ने दबंगों के सहयोग से कब्रिस्तान की भूमि पर कब्जा कर रखा था. कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल को भी तोड़ दिया गया था. कब्जा करने के पश्चात यहां रह रहे लोग अवैध कार्य में लिप्त थे. प्रशासन द्वारा कब्जा मुक्त करने की कार्रवाई की जा रही है. पहले भी कब्रिस्तान की भूमि पर कब्जा हुआ था जिसको प्रशासन द्वारा कब्जा मुक्त कराया गया था लेकिन कुछ वक्त बाद फिर कब्जा हो गया.

- अब्दुल वहीद, स्थानीय निवासी

कब्रिस्तान कमिटी के सचिव शहजाद ने बताया पहले भी कब्रिस्तान की भूमि को कब्जा मुक्त कराया जा चुका है. 2021 में जिला प्रशासन द्वारा कब्रिस्तान की भूमि को कब्जा मुक्त करने की कार्रवाई की गई थी. जिला प्रशासन द्वारा भारी पुलिस बल के साथ कब्रिस्तान की भूमि को कब्जा मुक्त करने की कार्रवाई की गई है. जेसीबी आदि के माध्यम से कब्रिस्तान को कब्जा मुक्त कराया जा रहा है. कब्रिस्तान की जमीन पर अब बाउंड्री करने का काम किया जाएगा ताकि कोई भी व्यक्ति कब्रिस्तान की भूमि में दाखिल ना हो सके और कब्रिस्तान की भूमि को अवैध कब्जे से बचाया जा सके.

पुराना सीलमपुर गांव रेलवे फाटक के पास रेलवे लाइन के किनारे अवैध रूप से बनी दर्जनों झुग्गियों पर चला बुलडोजर

दिल्ली- दिल्ली के पुराना सीलमपुर गांव रेलवे फाटक के पास रेलवे लाइन के किनारे अवैध रूप से बनी दर्जनों झुग्गियों पर रेलवे ने कार्रवाई करते हुए उस पर बुलडोजर चला दिया. रेलवे की कार्रवाई पर स्थानीय लोगों ने खुशी जतायी है. वहीं झुग्गी में रहने वालों में रोष है. भाजपा नेता व पूर्व निगम पार्षद ने बताया कि पुराना सीलमपुर गांव के रेलवे फाटक के पास रेलवे लाइन के किनारे अवैध रूप से दर्जनों झुग्गियां बनायी गई थी, जिसमें अवैध गतिविधियां चलती थी. काफी तादाद में अपराधिक प्रवृत्ति के लोग इस झुग्गी बस्ती में रहते थे, जिसकी वजह से क्षेत्र में अपराधीक घटनाएं होती थी. लूटपाट स्नैचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ गई थी. इन घटनाओं में झुग्गी में रहने वाले लोग शामिल थे.

इन घटनाओं को लेकर स्थानीय आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, मार्केट एसोसिएशन ने रेलवे को पत्र लिखकर अवैध झुग्गी पर कार्रवाई की मांग की थी. इसी मांग पर रेलवे ने शनिवार को रेलवे ने कार्रवाई की और अवैध रूप से बनाई गई झुग्गियों पर बुलडोजर चला दिया. उन्होंने कहा कि वह दिल्ली रेलवे प्रशासन का इसके धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने क्षेत्र के लोगों की शिकायतों को सुना और उसे पर कार्रवाई की. उन्होंने बताया कि तकरीबन 1 किलोमीटर तक की दूरी तक अवैध रूप से झुग्गियां बनाई गई थी. वहीं इस कार्रवाई से झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों में रोष है. उनका कहना है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के झुग्गी को गिरा दिया गया. उनकी छतों को छीन लिया गया. उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई. अब वह लोग अपने परिवार के साथ कहां रहेंगे, कहां जाएंगे. लोगों ने बताया कि वह लोग सालों से झुग्गी में रह रहे थे और छोटा-मोटा काम करके अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे थे लेकिन अब सरकार ने उन्हें उजाड़ दिया है दर-दर भटकने को मजबूर कर दिया है.

सरकार ने माना सुरक्षा में हुई चूक

पहलगाम हमले पर संसद मर्माहत, सर्वदलीय बैठक दो घंटे चली राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक, विपक्ष ने एक स्वर में कहा-सरकार आंतकियों के खिलाफ जो भी एक्शन ले, सब साथ

● नई दिल्ली

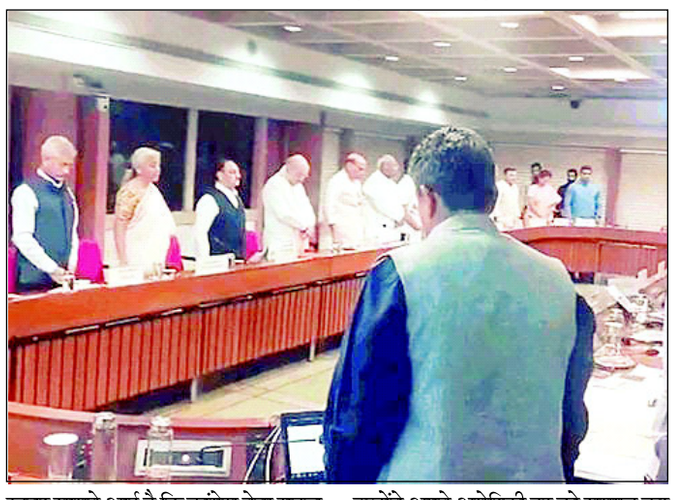

केंद्र सरकार ने गुरुवार को माना कि पहलगाम हमले में सुरक्षा में चूक हुई है। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आईबी और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मीटिंग में विपक्षी नेताओं को सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान विपक्ष ने कहा कि वे सरकार के साथ हैं। विपक्षी सांसदों ने आतंकी कैंपों को नष्ट करने की मांग की। कहा की सरकार आतंक के खिलाफ कड़े कदम उठाए। सर्वदलीय बैठक के बाद राहुल गांधी ने बताया कि हर एक्शन पर सरकार को पूरा सपोर्ट है। सर्वदलीय बैठक दो घंटे चली। बैठक में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। पहलगाम के नजदीक बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 28 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। इनमें एक नेपाली नागरिक शामिल था। 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। वहीं इस बीच खबर सामने आई है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज कश्मीर का दौरा करेंगे। इसके साथ वह आतंकी हमले में घायल हुए पर्यटकों से भी मुलाकात करेंगे। जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था तब राहुल गांधी अमेरिका गए थे। लेकिन जैसे ही उन्हें आतंकी हमले की खबर मिली तो उन्होंने अपने अमेरिकी टूर को समाप्त कर फौरन वापस भारत लौटे। वहीं अमेरिका से लौटने के बाद राहुल गांधी सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए। अब इस बैठक के बाद राहुल गांधी कश्मीर दौरा करने का फैसला किया है। शुक्रवार को कश्मीर दौरे के दौरान घायल पर्यटकों से भी मुलाकात करेंगे।

कल्पना से बड़ी सजा देंगे आंतकियों को

बिहार में बोले पीएम मोदी- देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का किया है दुस्साहस

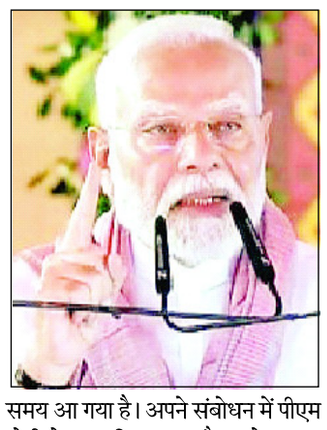

मधुबनी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंचायती राज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए पहलगाम हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही खुले मंच से आतंकियों और उनके आकाओं को साफ शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस हमले के पीड़ितों के साथ है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।

पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार से आतंकियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में इस हमले की साजिश रचने वालों और इसे अंजाम देने वालों को चेताते हुए कहा कि उन्हें सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। इन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है। वे जल्द स्वस्थ हों, इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है। इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया। इनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी, कोई गुजराती था, कोई यहां बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख और आक्रोश एक जैसा है। यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार की सरजमीं से मैं पूरी दुनिया से यह कहना चाहता हूं कि भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे।

शांति यज्ञ का आयोजन

पूर्वी दिल्ली ज़ी टीवी एंक्लेव में पहलगाम में हुए नृशंस हत्या के विरोध में विश्व हिंदू महासंघ दिल्ली प्रदेश द्वारा शांति यज्ञ का आयोजन रविवार को किया गया। जिसका मकसद मौत के गाल में समा गए लोगों की आत्मा को शांति देना है। शांति यज्ञ में विश्व हिंदू महासंघ दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष श्री देवेंद्र सिंह गौरक्षक दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संत राम प्रधान जी एवं अन्य लोगों ने यज्ञ में शामिल होकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना में शामिल हुए।

काली पट्टी बांध कर जाएं जुमे की नमाज पढ़ने

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने मुसलमानों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा है कि कल काली बांधकर जुमे की नमाज अदा करें ताकि हम दहशतगर्दों को पैगाम दे सकें कि हम उनके इस वैश्याना हरकत की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा है कि जैसा कि आप सब जानते हैं कि पहलगाम में लश्कर के आतंकी ने 28 से ज्यादा हमारे हमवतनों की जानें ली हैं, कई लोग जख्मी हैं। अपनी जान बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। इस दहशतगदार्ना और वैश्याना जुर्म के खिलाफ मेरी आप तमाम से गुजारिश है कि कल आप सभी काली पट्टी बांधकर जुमे की नमाज अदा करें ताकि हम दहशतगर्दों को पैगाम दे सकें कि हम उनके इस वैश्याना हरकत की निंदा करते हैं। ओवैसी ने आगे कहा कि हम कभी भी उन दहशतगर्दों को इस्लाम का सहारा लेकर मासूम लोगों के कत्ल करने की इजाजत नहीं दे सकते हैं इसलिए कल सब अपने-अपने बाजुओं पर काली बांधकर जुमे की नमाज पढ़ें।

कनाडा के एंटीरियो शहर में राम मंदिर बनाने की तैयारी की योजना

अयोध्या-श्री महीप त्रेहन, जानकी राम फाउंडेशन ने बताया कि अयोध्या की तर्ज पर कनाडा में रामानंदचार्य सम्प्रदाय को बढ़ावा मिल रहा है, कनाडा के एंटीरियो शहर में राम मंदिर बनाने की तैयारी चल रही है।कनाडा से राम भक्त राकेश शर्मा व पंजाब से महीप त्रेहन अयोध्या पहुचे है जहाँ पर श्रीराम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास जी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास से मुलाकात कर अयोध्या की गाथा को विश्व पटल पर पर ले जाने के लिए महन्त कमल नयन दास के साथ चर्चा हुई है, कनाडा के राकेश शर्मा और पंजाब के महीप त्रेहन ने बताया कि सनातन को मजबूत करने के लिए अयोध्या की तर्ज पर प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर कनाडा के एंटीरियो शहर में बनाने की तैयारी चल रही है, महंत कमल नयन दास जी का आशीर्वाद मिला है, उम्मीद है कनाडा में जल्द ही राम मंदिर बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और कनाडा में रह रहे राम भक्त हिंदू भी कनाडा में ही भगवान श्री राम का दर्शन कर सकेंगे, राकेश शर्मा ने बताया कि कनाडा के हिंदू भी भगवान राम में आस्था रखते हैं इसके साथ पंजाब के महीप त्रेहन के साथ मिलकर हमारी एक संस्था है जो कनाडा के एंटीरियो शहर में राम मंदिर का निर्माण कराने जा रही है।प्रभु श्रीराम की मर्यादा व अयोध्या की गाथा विश्व पटल पर स्थापित हो रही है

न्याय केंद्र का शुभारंभ -सुंदर नगरी के राधा-कृष्ण मंदिर में कड़कड़डूमा अधिवक्ता परिषद की पहल

पूर्वी दिल्ली, (शिवकुमार अग्रवाल) कड़कड़डूमा इकाई के अधिवक्ता परिषद ने दिल्ली के सुंदर नगरी स्थित प्राचीन श्री राधा-कृष्ण मंदिर (एफ-1, एफ-2 बंसीवाला) में स्थानीय नागरिकों के सहयोग से एक न्याय केंद्र की स्थापना की। इस अवसर पर सेवा भारती से श्री रामभरोसे जी, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष श्री ललित नारायण सिंह, सचिव श्री अवनीश शर्मा तथा प्रदेश से विशेष अतिथि श्री रणबीर सिंह उपस्थित रहे।

यह न्याय केंद्र आगामी प्रत्येक रविवार सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित रहेगा। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों की सक्रिय भागीदारी रही। अधिवक्ता परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों को न्याय केंद्र की सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के संचालन एवं व्यवस्था में कनिष्क जी, नेहा मिश्रा जी, प्रभाष गिरी जी, महिमा जी, चंदन तिलक, अमन माथुर जी, अजय शर्मा जी आदि का योगदान रहा। सामग्री व्यवस्था की जिम्मेदारी योगेंद्र शर्मा जी ने संभाली, जल -पान की व्यवस्था अरुण जी ने की। फोटोग्राफी का कार्य शिव चरण जी ने किया, तथा बैठक व्यवस्था कृष्ण गोपाल जी, तरुण गुप्ता जी और अनीस जी ने संभाली।

अन्य अधिवक्तागण जैसे रजनीश कपूर जी, परवीन जी,आरती रैना जी महिमा रस्तोगी जीभी इस अवसर पर उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सभी कार्यकर्ताओं एवं बहनों की सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष श्री ललित नारायण सिंह ने कहा, ÷समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना ही हमारा उद्देश्य है।÷

अधिवक्ता परिषद कड़कड़डूमा इकाई द्वारा जिलाधीश महोदय को कार्यकारिणी पारित प्रस्ताव की प्रति सौपी

पूर्वी दिल्ली (शिवकुमार अग्रवाल) अधिवक्ता परिषद, कड़कड़डूमा कोर्ट यूनिट ने दिल्ली के जिला उ. पूर्व जिला शाहदरा तथा जिला पूर्व के माननीय जिला अधिकारी को अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद कार्यकारिणी द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रति सौंपी, जिसका शीर्षक था *Accountability of Independent Judiciary*

न्यायपालिका की भी कई विषय पर जवाबदेही तय हो और उनसे अनुरोध किया कि इस ज्ञापन को माननिय महामहिम राष्ट्रपति जी को तथा माननिय मुख्य न्यायधीश भारत तक पहुचांने की कृपा करे.

इस महत्वपूर्ण कार्य मे दिल्ली प्रांत के उपाध्यक्ष श्री रनबीर सिंह जी , महिला कार्यकारणी सदस्य श्रीमती सरस्वती भरद्वाज जी कड़कड़डूमा कोर्ट इकाई अध्यक्ष श्री ललित नारायण सिंह जी, सचिव श्री अवनीश शर्मा जी, श्री योगेंद्र शर्मा जी, श्री अरुण कुमार जी श्री अमित गर्ग जी, डॉ.आकाश कौशिक जी, श्री अनिरुध चौहान जी, श्री अक्षय त्यागी जी श्री रिशभ त्यागी जी उपस्थित रहे।

जिसे 10 प्रतिशत भी समर्थन नहीं, वो निर्वाचित क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने निर्विरोध निर्वाचन के प्रावधान पर केंद्र सरकार से मांगा जवाब

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने निर्विरोध निर्वाचन की व्यवस्था करने वाली धारा पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। एक जनहित याचिका में कहा गया है कि इकलौते प्रत्याशी को विजेता घोषित करना सही नहीं है। मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। याचिका में कहा गया है कि लोग चाहें तो नोटा को भी वोट दे सकते हैं इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता कि एक ही प्रत्याशी हो तो मतदान करवाने की कोई जरूरत नहीं।

विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी नाम की संस्था की तरफ से 2024 में दाखिल याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 53(2) को चुनौती दी गई है। यह धारा कहती है कि जब कोई दूसरा प्रत्याशी चुनाव मैदान में न हो, तो इकलौते प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित माना जाएगा। याचिका में कहा गया है कि अब लोगों के पास नोटा (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प है। भले ही नोटा को अधिक वोट पड़ने पर दोबारा चुनाव का प्रावधान नहीं है, फिर भी लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। चुनाव

इकलौते प्रत्याशी को विजेता घोषित करना सही नहीं

आयोग ने याचिका में रखी गई मांग को अनावश्यक और अव्यवहारिक बताते हुए इसका विरोध किया है। आयोग की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने नोटा को एक विफल विचार बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक के इतिहास में सिर्फ 9 लोग लोकसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इसका जवाब देते हुए याचिकाकर्ता की पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील अरविंद दातार ने कहा कि लोग विधानसभाओं के लिए भी इस तरह निर्वाचित होते हैं। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता की तरफ से जताई गई एक आशंका का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रत्याशी के दबाव के चलते कोई और नामांकन न करे, तो लोगों को बिना मतदान का अवसर दिए इकलौते प्रत्याशी को चुना हुआ मान लिया जाएगा। जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि भारत में मजबूत और उच्चस्तरीय लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसे में कम से कम यह देखा जाना चाहिए कि किसी उम्मीदवार को कितने लोग समर्थन देते हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी को 10 प्रतिशत लोग भी वोट नहीं देते, तो उसे संसद में भेजना क्या सही होगा?' इस पर केंद्र सरकार के लिए पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट नया कानून नहीं बना सकता। इस तरह की व्यवस्था अगर लानी भी है, तो उसके लिए संसद को बहुत सारे लोगों की राय लेने के बाद कानून में बदलाव करना होगा। कोर्ट ने कहा कि वह कोई अनिवार्य आदेश नहीं दे रहा है। सिर्फ इस मुद्दे पर सरकार की राय पूछ रहा है। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई टाल दी।

बीएसएफ मेघालय फ्रंटियर ने 115 लोगों को किया गिरफ्तार

शिलांग : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) मेघालय फ्रंटियर ने गुरुवार को कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में भारत- बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा और सीमा पार अपराधों के खिलाफ अभियान में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल गई हैं।

बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि उनके जवानों ने कई घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम किया और 115 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें 78 बांग्लादेशी और 37 भारतीय नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा, अवैध गतिविधियों में मदद करने वाले छह दलाल भी पकड़े गए, जिनसे आगे की कार्रवाई में मदद मिली। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारियां तस्करी और अवैध सीमा पार गतिविधियों से जुड़ी थीं। पूछताछ में अहम सुराग मिले हैं।

संपादकीय

फिर आमने-सामने

बंटवारे के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के संबंध नरम गरम चलते रहे हैं। कई बार रिश्ते खत्म हुए और जुड़े। 1971 की जंग के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बिल्कुल टूट चुके थे। 1977 में जब केंद्र में जनता पार्टी की सरकार आई तो उसमें जनसंघ (आज की भाजपा) के अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री बने थे। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंध बहाल कराए। उसके बाद से दोनों के रिश्ते लगभग खराब ही चलते रहे। पहलगाम नरसंहार के बाद एक बार फिर भारत और पाकिस्तान आमने सामने हैं। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि स्थगित कर दी गई। अटारी-वाघा सीमा बंद कर दी गई है। पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं, और दोनों देशों के रक्षा सलाहकारों को भी वापस बुला लिया गया है। ये सब पूर्व में पहले भी हो चुका है। फिलहाल कब तक संबंध टूटे रहेंगे, कहना मुश्किल है। इतना जरूर कहा जा सकता है कि एक समय बाद दोनों देशों के बीच जमी बर्फ फिर पिघलेगी और राजनयिक संबंध बहाल हो जाएंगे। इतिहास तो यही कहता है। भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारे के समय से ही कश्मीर अहम विवाद रहा है। इसे सुलझाने की कोशिशें जरूर हुईं, लेकिन चूंकि कश्मीर विवाद दोनों देशों के राजनीतिक दलों की सियासत के लिए यह अहम मुद्दा रहा है, इसलिए इसे कोई सुलझाना नहीं चाहता। जब भी कश्मीर में कोई आतंकवादी हमला होता है तो भारत पाकिस्तान की ओर उंगली उठाता है। पहलगाम हमला भी अपवाद नहीं रहा। पाकिस्तान से तमाम तरह के ताल्लुक खत्म करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की एक जनसभा में पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। कुछ जानकार मानते हैं कि पहलगाम हमले को बिहार और बंगाल में भुनाने की कोशिश की जा रही है। हमले के तीसरे दिन बिहार में रैली करके पहलगाम मुद्दे को उठाना यही संकेत दे रहा है। पाकिस्तान और भारत के बीच राजनयिक अलगाव शांतिपूर्ण संवाद की संभावनाओं को कम कर सकता है और सीमा पर गलतफहमी या टकराव की आशंका को बढ़ा सकता है, विशेषकर उस क्षेत्र में जहां संघर्षों का इतिहास रहा है। हाल-फिलहाल भारत पाकिस्तान के बीच तनाव रहना है। एक-दूसरे को ललकारा जाएगा। वैसे भी भारत पाकिस्तान के बीच संबंध नाममात्र के ही थे, अब पूरी खत्म होने पर कुछ खास असर नहीं होगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारे के समय से ही कश्मीर अहम विवाद रहा है। इसे सुलझाने की कोशिशें जरूर हुईं, लेकिन सियासत ऐसा करने नहीं देती।

ऐसे करें असली आम की पहचान, वरना केमिकल से बने आम खाकर हो जाएंगे बीमार

नकली आम, जिसे आर्टिफिशियल तौर से पका हुआ आम भी कहा जाता है, दरअसल, नकला आम का मतलब यह है कि नेचुरल तरीकों के बजाय कैल्शियम कार्बाइड या एथेफॉन जैसे हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल करके असली आमों को पकाने को संदर्भित करता है. विशेषज्ञों के अनुसार, हर साल सैकड़ों किलोग्राम आम आर्टिफिशिय रूप से पकाए जाते हैं और मौसम शुरू होने से पहले मांग को पूरा करने के लिए बाजार में भेजे जाते हैं. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (खस्सद्ध) के अनुसार, खरीदारों को आम खरीदने से पहले उसके रंग-रूप, स्पर्श, गंध और गुणवत्ता पर ध्यान देना और रासायनिक रूप से पके आमों को खरीदने से बचना चाहिए . इसके लिए आमों को पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे कॉमन केमिकल्स पर एक नजर डालते हैं.

विशेषज्ञों के अनुसार, आम को पकाने के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाला केमिकल एजेंट कैल्शियम कार्बाइड है. इसमें आर्सेनिक और फॉस्फोरस जैसी अशुद्धियां होती हैं, जो इसे बेहद हानिकारक बनाती हैं. यह सिरदर्द, चक्कर आना, मतली और यहां तक कि कैंसर जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है. एक और केमिकल जिसका आमतौर पर उपयोग किया जाता है वह है एथिलीन गैस. यह एक रंगहीन, ज्वलनशील गैस है, जिसका केमिकल फार्मूला C2H4 है. यह एक नेचुरल प्लांट हार्मोन है. इसे आमतौर पर फलों को पकाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. इसका अधिक उपयोग मानव शरीर के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है.

इसके साथ ही आम को समय से पहले पकाने के लिए एथेफोन एक क्लोरोइथाइलफॉस्फोनिक एसिड का किया जाता है. यह केमिकल लिवर या किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है. आम को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड से निकलने वाली एसिटिलीन गैस का भी उपयोग किया जाता है. मानव शरीर के लिए ये केमिकल भी काफी ज्यादा हानिकारक होता है.

इन तरीकों से करें नकली या आर्टिफिशियल तरीके से पकाए गए आमों की पहचान

छिलके का रंग जांचें-आर्टिफिशियल तरीके से पके आमों का रंग एक समान होता है और वे नेचुरल रूप से पके आमों की तुलना में अधिक पीले या नारंगी दिखाई दे सकते हैं. ऐसे आर्टिफिशियल आम थोड़े चमकदार भी दिख सकते हैं.

आम को सूंघें-नेचुरल तरीके से पके आमों में मीठी, फल जैसी गंध होती है, जबकि आर्टिफिशियल रूप से पके आमों में कोई रसायन या अलग गंध हो सकती है.

वजन की जांच करें-आर्टिफिशियल रूप से पकाए गए आम नेचुरल तरीके से पके आमों की तुलना में नरम या गूदेदार लग सकते हैं. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पकने की प्रक्रिया में इस्तेमाल किए जाने वाले रसायन फलों की सेल वॉल को तोड़ सकते हैं, जिससे वे नरम हो जाते हैं.

बाहरी नुकसान की जांच करें-अगर आमों में रसायनों के इंजेक्शन के कारण बाहरी क्षति, जैसे खरोंच या धब्बे हैं, तो उन्हें न लें. नेचुरल आमों में इस तरह के बाहरी दाग होने की संभावना कम होती है

स्वाद की जांच करें-विशेषज्ञों के अनुसार, आर्टिफिशियल तरीके से पकाए गए आमों का स्वाद फीका या अजीब हो सकता है. अगर आम का स्वाद खराब है या बाद में अनप्लेजेंट टेस्ट आता है, तो हो सकता है कि इसे आर्टिफिशियल तरीके से पकाया गया हो.

पानी में डालकर जांच करें-आमों को पानी की एक बाल्टी में डालें. अगर आम पानी में डूब जाते हैं, तो वे नेचुरल तरीके से पके हुए हैं और अगर वे तैरते हैं, तो उन्हें आर्टिफिशियल तरीके से पकाया गया है.

बेकिंग सोडा का उपयोग करें-पानी में थोड़ा बेकिंग सोडा डालें और फिर आमों को मिश्रण में 15-20 मिनट के लिए भिगोएं. भिगोने के बाद, जब आप आमों को धो लें, और अगर आम का रंग बदल जाता है, तो संभावना है कि उन्हें रासायनिक रूप से उपचारित या पॉलिश किया गया है.

माचिस की तीली से टेस्ट-अल्फांसो मैंगो वेबसाइट के अनुसार, कोई भी इस टेस्ट का उपयोग कर सकता है. आपको बस एक माचिस की तीली जलाकर आम के डिब्बे के पास ले जाना है, और अगर उस पर रासायनिक उपचार किया गया है, तो वह आग पकड़ सकता है या भोजन की सतह पर चमक के निशान छोड़ सकता है. यह तरीका बहुत रिस्क भरा है. इसलिए, अपने रिस्क पर और विशेषज्ञों की देखरेख में करें.

अरविंद जयतिलक

क्या है सिंधु जल समझौता?

अमेरिका के एक विशिष्ट विशेषज्ञ डेविड लिलियेन्थल 1951 में भारत का दौरा करके बताया कि सिंधु नदी जल का 20 फीसद से भी कम भाग प्रयोग में लाया गया है तथा इस नदी के संग्रह क्षेत्र में से गुजरता हुआ छः नदियों का यह पानी बिना प्रयोग किए ही अरब सागर में गिर जाता है। लिहाजा उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए दोनों देशों को सलाह दी कि वे इस समस्या को राजनीतिक स्तर से हटाकर तकनीकी एवं व्यपारिक स्तर पर सुलझाने का प्रयास करें।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद तुरंत बाद भारत ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसते हुए 1960 की सिंधु जल संधि को तुरंत प्रभाव से स्थगित कर दिया है। 1960 के सिंधु जल समझौते के तहत भारत अपने हिस्से का पूरा पानी इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। भारत जब भी अपने हिस्से का जल इस्तेमाल करने की कोशिश करता है पाकिस्तान रुकावट पैदा करने की कोशिश करता है। वर्ष 2015 में पाकिस्तान ने भारत की किशनगंगा और पन बिजली परियोजनाओं को लेकर कड़ी आपत्ति जतायी थी और आपत्तियों को मध्यस्था अदालत में ले जाने का प्रस्ताव किया था। अब भारत का स्पष्ट रुख है कि पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को प्रश्रय देने से बाज नहीं आता है तब तक उसे भारत सिंधु जल समझौते के स्थगित होने का दर्द सहना पड़ेगा।

सिंधु जल समझौते के मुताबिक सतलुज, ब्यास और रावी नदी का पानी भारत को मिला है जबकि चेनाव, झेलम और सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान के हिस्से में है। इन नदियों के कुल 16.8 करोड़ एक-ड़-फुट पानी में से भारत को उसके लिए आवंटित तीनों नदियों से 3.3 करोड़ एकड़-फुट पानी मिलता है, जो कुल जल का 20 प्रतिशत है। भारत अपने हिस्से का करीब 93-94 प्रतिशत पानी उपयोग करता है और शेष पानी बहकर पाकिस्तान में चला जाता है। भारत अपने हिस्से के जल का इस्तेमाल करने के लिए पंजाब के शाहपुर कांडी बांध परियोजना, सतलुज-ब्यास की दूसरी लिंक परियोजना और जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित उज्ज बांध परियोजना को जल्द पूरा करने की कोशिश में है। अगर ये तीन परियोजनाएं पूरी हो जाती हैं तो भारत अपने हिस्से के जल का पूरा उपयोग करने लगेगा और पाकिस्तान को अतिरिक्त जल मिलना मुश्किल हो जाएगा। सिंधु दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में से है और इसकी लंबाई तकरीबन 3000 किलोमीटर से भी अधिक है। पाकिस्तान सिंचाई एवं अन्य कार्यों में जल के उपयोग के लिए इस पर कई बांध बना रखे हैं जिससे बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन होता है। पाकिस्तान की 2.6 करोड़ एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई इन नदियों के जल पर ही निर्भर है। सिंधु जल संधि सद्भावना पर आधारित है। यह जल संधि आधुनिक विश्व के इतिहास का सबसे उदार जल बंटवारा संधि है और यह भारत की उदार रवैए के कारण ही संभव हुआ। जानना जरुरी है कि विश्व बैंक की मध्यस्थता से ही 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को आकार दिया गया।

सिंधु जल संधि समझने के लिए दो बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। एक, यह कि सिंधु नदियों की व्यवस्था राजनीतिक विभाजन की दृष्टि से नहीं बनायी गयी थी। इसीलिए भौगोलिक दृष्टि से विभाजन के उपरांत पाकिस्तान को 18 मिलियन एकड़ भूमि सिंचाई योग्य मिली और भारत को 5 एकड़ मिलियन सिंचाई वाली भूमि उपलब्ध हुई। तब सिंधु नदी क्षेत्र में भारत की 20 मिलियन जनसंख्या रहती थी जबकि पाकिस्तान की इस प्रकार की आबादी 22 मिलियन थी। दूसरा, यह कि इस सिंधु नदी क्षेत्र में कुल सात नदियां सम्मिलित थी जिसमें से सिंधु स्वयं पश्चिम में थी तथा काबुल एवं उसकी पांच सहायक नदियां-झेलम, चिनाब, रावी, सतलुज और व्यास पूर्व में स्थित थी। इनमें से काबुल को छोड़ सिंधु, झेलम और चिनाब मुख्य रुप से पाकिस्तान में बहती हैं तथा ये सिंधु क्षेत्र में लगभग 80 फीसद पानी को बहा ले जाती हैं। दूसरी ओर रावी व सतलुज मुख्य रुप से तथा ब्यास पूर्ण रुप से भारत में बहती है। संधि के मुताबिक भारत को इन छः नदियों का 80 फीसद जल पाकिस्तान को देना पड़ता है जबकि भारत के हिस्से में सिर्फ 19.48 फीसद पानी आता है। उल्लेखनीय है कि पंजाब के राजनीतिक विभाजन के कारण नहरी पानी विवाद सतह पर उभरा। यह विवाद 1 अप्रैल, 1948 को तब उभरा जब भारत के पंजाब प्रांत को सरकार ने पानी की रकम अदायगी न करने के कारण पाकिस्तान जाने वाला पानी रोक दिया। परंतु दोनों सरकारों ने इसे कानूनी मुद्दा न बनाते हुए द्विपक्षीय स्तर पर 4 मई, 1948 को हुए समझौते के अंतरगत हल कर लिया। लेकिन कुछ समय बाद फिर विवाद उत्पन हो गया। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत उसे पानी की उचित मात्रा नहीं दे रहा है। दूसरी ओर भारत ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अपने पंजाब प्रांत के विकास हेतु अपने साधनों के द्वारा वैकल्पिक स्त्रोत नहीं ढूंढ रहा है। यहां जानना जरूरी है कि ये नहरें आर्थिक दृष्टिकोण से उस समय बनायी गयी थी जब भारत के विभाजन का विचार किसी की सोच में नहीं था। लेकिन भारत विभाजन के उपरांत नहरों के पानी का असंतुलित विभाजन उभरकर सामने आ गया।

पंजाब की पांचों नदियों में से सतलज और रावी दोनों देशों के मध्य से बहती हैं। झेलम और चिनाब पाकिस्तान के मध्य से और व्यास पूर्णतया भारत में बहती है। किंतु भारत विभाजन के उपरांत भारत के नियंत्रण में वे तीनों मुख्यालय आ गए जिनसे दोनों देशों की नहरों को पानी की आपूर्ति की जाती थी। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत सिंचाई के लिए इन नहरों पर आश्रित हैं। विभाजन के उपरांत पाकिस्तान के मन में आशंका उपजी कि भारत जब चाहे तब पानी बंद करके उसे भूखों मार सकता है। लिहाजा उसने विभाजन के बाद उसने नहरी पानी को लेकर विवाद शुरू कर दिया।

इसी संदर्भ में अमेरिका के एक विशिष्ट विशेषज्ञ डेविड लिलियेन्थल 1951 में भारत का दौरा करके बताया कि सिंधु नदी जल का 20 फीसद से भी कम भाग प्रयोग में लाया गया है तथा इस नदी के संग्रह क्षेत्र में से गुजरता हुआ छः नदियों का यह पानी बिना प्रयोग किए ही अरब सागर में गिर जाता है। लिहाजा उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए दोनों देशों को सलाह दी कि वे इस समस्या को राजनीतिक स्तर से हटाकर तकनीकी एवं व्यपारिक स्तर पर सुलझाने का प्रयास करें। इसके लिए उसने विश्व बैंक से मदद लेने की सिफारिश की। इस संदर्भ में सितंबर 1951 में विश्व बैंक के अध्यक्ष यूजीन ब्लेक ने मध्यस्थता करना स्वीकार कर लिया लेकिन पाकिस्तान ने कुछ आपत्तियां जतायी। बावजूद इसके यूजीन ब्लेक और उसके बाद मिस्टर इल्कि के सहयोग से वर्षों तक बातचीत चलने के उपरांत 19 सितंबर, 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच जल के सवाल पर एक समझौता हो गया। इस समझौते को सिंधु जल संधि नाम दिया गया। इस समझौते पर भारत के प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए। 12 जनवरी 1961 को इस संधि की शर्तें लागू कर दी गईं और इस प्रकार दोनों देशों के बीच विवाद का अंत हो गया। लेकिन भारत को केवल इस क्षेत्र में बहने वाले पानी का कुल 20 फीसद ही प्राप्त हुआ जो इसकी सिंचाई योग्य 26 एकड़ मिलियन भूमि के लिए पर्याप्त नहीं है। इस समझौते से भारत को नुकसान हो रहा है। फिलहाल भारत के लिए इस समझौते को स्थगित करना संभव तो नहीं था लेकिन जिस तरह से वह आतंकवाद के जरिए भारत को लहूलुहान कर रहा है, ऐसे में इस संधि को स्थगित करना आवश्यक ही था।

श्वेता गोयल

मलेरिया के खिलाफ आखिरी जंग

मलेरिया की रोकथाम और उन्मूलन के लिए अनुसंधान, निगरानी तंत्र, दवा और वैक्सीन वितरण, मच्छर नियंत्रण तकनीक, और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने जैसे क्षेत्रों में अधिक संसाधन लगाने की आवश्यकता है। लोगों को जागरू करने की जरूरत है।

मलेरिया एक प्राचीन लेकिन अब भी प्रासंगिक बीमारी है, जिसने सदियों से मानव सभ्यता को प्रभावित किया है। यह मुख्य रूप से एनोफिलीज नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होती है। जब यह परजीवी मानव शरीर में प्रवेश करता है तो वह यकृत और रक्त कोशिकाओं में पहुंच कर वहां अपनी संख्या बढ़ाता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को क्षतिग्रस्त करता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, कंपकंपी, सिरदर्द, पसीना आना, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द और थकान शामिल होते हैं, जो अक्सर अन्य सामान्य बुखार जैसी बीमारियों से भिन्न प्रतीत नहीं होते लेकिन समय रहते इलाज न होने पर यह घातक सिद्ध हो सकता है। विशेषकर प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम से संक्रमित मामलों में कोमा या मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

लोगों को मलेरिया के खतरों और उससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल पर विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम 'मलेरिया का अंत हमारे साथ: पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनजार्गृति' रखी गई है, जिसका निहितार्थ यह है कि मलेरिया को समाप्त करने की जिम्मेदारी अब हम सबकी है। इसका तात्पर्य है कि हमें एक बार फिर इस दिशा में नए सिरे से प्रयास करने होंगे, निवेश करना होगा, कल्पनाशील समाधान खोजने होंगे और उस जनचेतना को पुनः जाग्रत करना होगा, जो एक समय पोलियो जैसी बीमारियों को हराने के लिए देश-दुनिया में देखी गई थी। हालांकि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने अनेक रोगों पर विजय प्राप्त कर ली है लेकिन मलेरिया अभी भी विकासशील और गरीब देशों में एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। भारत जैसे देश, जहां विविध भौगोलिक, जलवायु और सामाजिक परिस्थितियां विद्यमान हैं, वहां यह बीमारी हर साल लाखों लोगों को प्रभावित करती है। भारत सरकार और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के संयुक्त प्रयासों के बावजूद देश के अनेक हिस्सों में मलेरिया का प्रकोप आज भी गंभीर है, खासकर जनजातीय और दूरदराज के क्षेत्रों में।

मलेरिया न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी बोझ डालता है। इससे प्रभावित होने वाले लोग आमतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर तबके से होते हैं, जिनकी कार्यक्षमता इस बीमारी से बुरी तरह प्रभावित होती है। उनके इलाज पर होने वाला खर्च, कामकाजी दिनों की हानि और बच्चों की शिक्षा में रुकावट जैसे कारक इस रोग की व्यापक सामाजिक और आर्थिक कीमत को दर्शाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में मलेरिया के कुल अनुमानित 24.9 करोड़ मामले सामने आए थे जबकि इससे 6.08 लाख लोगों की मृत्यु हुई। इनमें से अधिकांश मौतें अफ्रीका में हुईं और मृतकों में सबसे बड़ी संख्या पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की थी। ये आंकड़े दशार्ते हैं कि मलेरिया आज भी दुनिया के सबसे बड़े संक्रामक रोगों में से एक है, जो हर दिन सैंकड़ों जानें लेता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसे रोका जा सकता है और उपचार किया जा सकता है, फिर भी यह इतने बड़े पैमाने पर मानव जीवन को प्रभावित करता है।

इस बीमारी की रोकथाम और उन्मूलन के लिए आवश्यक है कि सरकारें, अंतर्राष्ट्रीय संगठन, निजी कंपनियां और जन समुदाय इस दिशा में फिर से गंभीरता से प्रयास करें। अनुसंधान, निगरानी तंत्र, दवा और वैक्सीन वितरण, मच्छर नियंत्रण तकनीक, और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने जैसे क्षेत्रों में अधिक संसाधन लगाने की आवश्यकता है। अनेक देशों में आर्थिक संकट के चलते मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों में बजट कटौती की गई है, जिससे रोग के मामलों में पुनः वृद्धि देखने को मिली है। यदि हम इस बीमारी को जड़ से खत्म करना चाहते हैं तो हमें इस दिशा में ठोस निवेश करना होगा।

लोगों को यह समझाना जरूरी है कि मलेरिया की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवाओं से संभव नहीं, जब तक कि समाज का हर व्यक्ति उसमें भागीदारी न निभाए। भारत में मलेरिया की चुनौती को देखते हुए हाल के वर्षों में कई सकारात्मक प्रयास किए गए हैं। भारत सरकार के 'नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम' के तहत मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान और सफाई, मच्छरदानी वितरण, स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति और प्रशिक्षित निगरानी तंत्र को सुदृढ़ किया गया है। इसके परिणामस्वरूप मलेरिया के मामलों में वर्ष 2000 की तुलना में 2023 तक उल्लेखनीय कमी देखी गई है लेकिन देश का लक्ष्य है वर्ष 2030 तक मलेरिया मुक्त भारत की घोषणा। इसके लिए अब अंतिम दौड़ सबसे चुनौतीपूर्ण है, जिसमें जन सहयोग, नीति निर्धारण और सतत निगरानी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। वह दिन दूर नहीं, जब हम विश्व मलेरिया दिवस को एक ऐतिहासिक विजय दिवस के रूप में मनाएंगे।

गुरुकुल से गूगल तक का सफर

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

तीखी नजर

सुबह-सुबह जब मोबाइल के अलार्म ने कर्कश आवाज में नींद को तोड़ा, तो सबसे पहले नजर एक मैसेज पर पड़ी-'बच्चे का भविष्य उज्ज्वल बनाइए, सिर्फ चार लाख रुपए में।' इसे पढ़ते ही ऐसा लगा, जैसे भविष्य उज्ज्वल होने से पहले ही अंधकार में डूब गया हो। यही हाल हर सुबह के अखबार का होता है-हर कोने में चमचमाते विज्ञापन, जैसे शिक्षा अब एक जादुई किट हो, जो खरीदी जा सकती है। गांव की पाठशाला में बैठकर मिट्टी के फर्श पर अपने भविष्य की कल्पना करने वाले बच्चे अब वातानुकूलित कक्षाओं में भी वही सपने देख रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि वहां पर 'गुरुजी' होते थे और यहां 'फीस स्लिप'। 'पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब' वाला मुहावरा अब 'पढ़ोगे जितना, लगेगा उतना' में तब्दील हो गया है। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो चुका है, जैसे 'ज्ञान' भी अब ईएमआई पर मिल रहा हो।

मालूम हुआ कि दिल्ली के एक नामी स्कूल ने यूनिफॉर्म डिजाइन के नाम पर बच्चों को 'फैशन शो' का प्रतिभागी बना दिया। सवाल यह है कि विद्या का मंदिर क्या अब 'रैंप वॉक' बन गया है? पुराने जमाने की सादा सफेद शर्ट और खाकी निकर आज ब्रांडेड टाई और स्मार्टफोन ऐप में सिमट गए हैं। शिक्षा के नाम पर यह व्यापार इतना जबरदस्त है कि माता-पिता अपनी महीने की सैलरी स्कूल की फीस भरने में ही गवां देते हैं। और इन स्कूलों के आयोजनों में 'बच्चे देश का भविष्य हैं' कहने वाले वक्ता खुद के बच्चों को विदेश भेज चुके होते हैं। हाँ, यह वही लोग हैं, जो देशभक्ति का झंडा बुलंद करते समय किसी डिक्शनरी में नैतिकता को खोज रहे होते हैं।

गांव के उस मास्टरजी का क्या हुआ, जिनके पढ़ाए बच्चे आईएएस, डॉक्टर और इंजीनियर बने? उनका संघर्ष और तपस्या क्या सिर्फ इसीलिए बेमानी हो गई, क्योंकि उन्होंने बच्चों से कभी 'आय के दस्तावेज' नहीं मांगे? यही सोचते-सोचते एक सवाल आया-'आज शिक्षा का स्तर ऊंचा है या सिर्फ फीस की स्लिप भारी हो गई है?' और फिर, शिक्षा के डिजिटल रूपांतरण ने तो सभी सीमाएं पार कर दी हैं। गुरु अब 'गूगल' बन चुका है। छात्र प्रश्न पूछते नहीं, बल्कि सर्च करते हैं। स्कूल अब ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म बन चुके हैं, जहां टीचर की जगह एआई की 'स्मार्ट टेक्नोलॉजी' बच्चों को पढ़ाती है। लेकिन क्या उस एआई में मास्टरजी की वह डांट है, जो बच्चों को सुधार देती थी? या वह प्यार, जो होमवर्क न करने पर भी चॉकलेट दे देता था?

कहानी का यह अंत वही है, जो हर मिडिल क्लास माता-पिता की पीड़ा का होता है। उनके सपने बच्चे के स्कूल बैग के वजन तले दब जाते हैं, और वे सोचते हैं कि कहीं फीस भरने के चक्कर में उनके बच्चे का मासूम बचपन न छूट जाए। शिक्षा का प्रकाश किसे जगमगाएगा-वह जिसने मोटी फीस दी है या वह जिसने खुले दिल से ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश की है? शायद समय के पास इसका उत्तर हो। हमारे मास्टरजी अपने खाट पर बैठकर यही सोचते रहेंगे, 'हमने तो कभी फीस नहीं मांगी। क्या हमें पढ़ाना नहीं आया?'

अमृतवाणी

आदत पाप है

ओशो से एक बार किसी ने पूछा कि मैं अपनी स्मोकिंग करने की आदत नहीं छोड़ सकता। क्या स्मोकिंग करना पाप है? देखिए क्या जवाब दिया ओशो ने : राई का पहाड़ बनाने की जरूरत नहीं है। असल में स्मोकिंग करते समय आप क्या करते हैं? कुछ धुआं अपने फेफड़ों के अंदर लेते हैं और फिर उसे बाहर निकाल देते हैं। यह एक तरह का प्राणायाम है। गंदा, बेकार, लेकिन फिर भी प्राणायाम। मुझे आपकी स्मोकिंग में कोई दिलचस्पी नहीं। मुझे तो आपकी आदत में रुचि है। कोई भी आदत जो आप पर हावी हो जाती है, वह पाप है। जीवन लगातार बदलता रहता है लेकिन आदत स्थिर होती है। आप जितना आदतों से घिरे रहेंगे, उतना ही अपनी जिंदगी से दूर होते चले जाएंगे। किसी चीज की आदत डालना बुरा है, क्योंकि यह आपके फैसलों पर भारी पड़ने लगता है। अगर वाकई में आप अपनी जिंदगी के प्रति गंभीर हैं, तो फिर स्मोकिंग छोड़ने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि मैंने कुछ लोगों को स्मोकिंग छोड़ने के बाद च्यूइंगम और पान खाते देखा है। आपका अचेतन मन आपको उलझाए रहेगा। आपके मन में कोई ठोस कारण नहीं है स्मोकिंग छोड़ने का, न ही आप में दृढ़ता है। इसलिए आप इसे दोबारा शुरू कर देते हैं, क्योंकि आप ने इसे अपनी चिंताओं और परेशानियों से जोड़ दिया है। आप जितना चाहते हैं, उतनी स्मोकिंग करें, लेकिन चिंतनशील होकर, पूरी ध्यान की अवस्था में। आप देखेंगे कि धीरे-धीरे आपकी सिगरेट कम होती जा रही है और एक दिन अचानक वह आपकी जिंदगी से दूर हो जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमला- दिल्ली सरकार ने जारी किया पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने का आदेश, इस तारीख के बाद अवैध

नई दिल्ली- केंद्र सरकार के आदेश के बाद दिल्ली सरकार के होम डिपार्टमेंट ने भी शुक्रवार को पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने के संबंध में आदेश जारी किया है. आदेश में कहा गया है कि अलग-अलग श्रेणी में जारी वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द किया जा रहा है और उन्हें 27 अप्रैल तक वैध माना जाएगा.

दिल्ली सरकार ने जारी किया ये आदेश

दिल्ली सरकार के गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय के विदेशी प्रभाग ने 24 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया है. इसके अलावा भारत सरकार ने तत्काल प्रभाव से पाक नागरिकों के लिए वीजा निलंबित करने का निर्णय लिया है. भारत सरकार द्वारा पाक नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा, लॉन्ग टर्म वीजा, डिप्लोमेटिक और आधिकारिक वीजा को छोड़कर सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल 2025 से तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं. इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल 2025 तक वैध होंगे. इस संबंध में कोई नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा.

शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग की थी. इस मीटिंग में राज्यों में रह रहे पाकिस्तान के नागरिकों के बारे में भी बातें हुईं थी और उनके वीजा रद्द करने के बाद उनकी वापसी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये थे. जिसके बाद दिल्ली सरकार ने यह आदेश जारी किया है. बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देश भर के लोगों में जबरदस्त आक्रोश फैला हुआ है. शुक्रवार को अलग-अलग संस्थाओं के आह्वान पर दिल्ली बंद बुलाया गया था. इस आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही अब लोग सरकार से बड़ी कार्रवाई की मांग भी कर रहे हैं.

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ उठाये कई कदम-इससे पहले बुधवार को भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाने की घोषणा की थी, जिसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, पाकिस्तानी सैन्य अटैचमेंट को निष्कासित करना और अटारी भूमि-पारगमन चौकी को तत्काल बंद करना शामिल है. उधर पाकिस्तान ने भारत द्वारा संधि को निलंबित करने के फैसले को खारिज कर दिया है और कहा है कि संधि के तहत पाकिस्तान से संबंधित पानी के फ्लो को रोकने के किसी भी कदम को एक्ट ऑफ वार माना जाएगा.

सरोजिनी नगर मार्केट में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली - दिल्ली की सबसे बिजी मार्केट में से एक सरोजिनी नगर मार्केट में शुक्रवार को एक अनोखी मिसाल देखने को मिली, जब गंगा-जमुनी तहज़ीब के तहत तमाम समुदायों के लोगों ने एकजुट होकर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए. श्रद्धांजलि देने के दौरान सरोजिनी नगर मार्केट में जमा हुए लोगों ने अपने हाथों और सिर पर काली पट्टी बांधकर आतंकवाद के खिलाफ संदेश दिया.इस श्रद्धांजलि सभा में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समेत सभी धर्मों के लोगों ने भाग लिया और एकजुटता का संदेश दिया. सरोजिनी नगर मार्केट के सभी दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानों को बंद कर श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया. सभा की शुरुआत जुमे की नमाज से पहले हुई, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विशेष रूप से भाग लिया और शांति की दुआ की.श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन रखा गया और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई. इसके बाद पूरी मार्केट में एक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला गया. दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने हाथों में आतंकवाद के खिलाफ पोस्टर लेकर पूरे बाजार का चक्कर लगाया.

आतिशी के कालकाजी सीट के विधानसभा सीट के ईवीएम रिलीज करने की मांग मंजूर

गौतम गोयल

नई दिल्ली- दिल्ली हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग को दिल्ली के कालकाजी विधानसभा सीट के चुनाव के लिए इस्तेमाल किए गए ईवीएम को रिलीज करने की अनुमति दे दी है. जस्टिस ज्योति सिंह ने कालकाजी विधानसभा चुनाव के दौरान वीवीपैट पर्चियों को संरक्षित रखने का आदेश दिया. हाईकोर्ट ने ये याचिका निर्वाचन आयोग की अर्जी पर दिया है.

दरअसल, हाईकोर्ट में आतिशी के कालकाजी से निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका लंबित है. इसी लंबित याचिका में निर्वाचन आयोग ने अर्जी दाखिल कर ईवीएम को बिहार चुनावों के लिए रिलीज करने की मांग की थी. आतिशी के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 26 मार्च को आतिशी और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी करते हुए विधानसभा चुनाव से संबंधित सभी रिकॉर्ड संरक्षित रखने का आदेश दिया था. इस याचिका पर हाईकोर्ट 30 जुलाई को सुनवाई करने वाला है.आतिशी के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के निवासी कमलजीत सिंह दुग्गल और आयुष राणा ने दायर किया है. याचिका में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान आतिशी और उनके चुनाव प्रतिनिधि ने भ्रष्ट आचरण का इस्तेमाल किया. याचिका में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले आतिशी मार्लेना के एक निकट सहयोगी को पांच लाख रुपये की नकदी के साथ पकड़ा गया था और वो आतिशी मार्लेना के निर्देश पर मतदाताओं को रिश्वत देने का काम कर रहा था. ऐसा करना आतिशी मार्लेना ने जनप्रतिनिधित्व कानून की दारा 123(1) के तहत भ्रष्ट आचरण है. बता दें कि आतिशी ने बीजेपी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी को हराया था.ओमा सलाम की कस्टडी पेरोल पर सुनवाई-नेशनल इंवेस्टिगेटिव एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन पोपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के चेयरमैन ओमा सलाम की 15 दिनों की कस्टडी पेरोल की मांग का विरोध किया है. एनआईए ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपनी दलील रखते हुए कस्टडी पेरोल की मांग का विरोध किया. जस्टिस रविंद्र डूडेजा की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल को करने का आदेश दिया.

संसद सुरक्षा चूक मामला-

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने संसद सुरक्षा चूक के आरोपी मनोरंजन डी की नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. एडिशनल सेशंस जज हरदीप कौर ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया. कोर्ट ने 28 अप्रैल को फैसला सुनाने का आदेश दिया. सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील अखंड प्रताप सिंह ने मनोरंजन डी की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ आरोप काफी गंभीर हैं और ये संसद की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है. दिल्ली पुलिस ने 15 जुलाई 2024 को इस मामले में पूरक चार्जशीट दाखिल किया था.

PDW के जिस इंजीनियर को निलंबित करने की मंत्री ने की सिफारिश, LG ने दी मंजूरी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार के मंत्री नियमित रूप से शहर में सड़कों, नालियों और कूड़े के ढेरों की खराब स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं और उनके सुधार के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं.

शिव कुमार अग्रवाल

नई दिल्ली- दिल्ली में नई सरकार का गठन होने के बाद सरकारी कर्मचारियों को यह स्पष्ट संदेश देते हुए कि ड्यूटी के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (सिविल) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की मंजूरी दे दी है.

गत माह दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा स्थानीय विधायक रवि सिंह के साथ पूर्वी दिल्ली में एनएच संख्या 8 के किनारे नालों का निरीक्षण करने गए थे, तब इंजीनियर के खिलाफ निलंबित करने का आदेश दिया था. नई सरकार बनने के बाद यह किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ की जाने वाली पहली कार्रवाई है.

लापरवाही के लिए इंजीनियर निलंबित- पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर रामाशीष को नाले के रखरखाव और सफाई के प्रति कर्तव्य के प्रति लापरवाही के लिए निलंबित किया गया था. गत 21 मार्च को पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने विधायक रवि नेगी के साथ एनएच-24 से सटे सर्वोदय बाल विद्यालय के पीछे एक साइट का दौरा किया और काम की समीक्षा की थी. उन्होंने सड़क और नालियों की स्थिति का निरीक्षण किया था. उनके दौरे के दौरान नाले की खराब स्थिति देखी गई और पाया गया कि यह गाद और अतिक्रमण से भरा हुआ था. दौरे के बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री ने इंजीनियर रामाशीष के निलंबन और अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की थी. नई सरकार के गठन के बाद से उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार के मंत्री नियमित रूप से शहर में सड़कों, नालियों और कूड़े के ढेरों की खराब स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं और उनके सुधार के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं. उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सिविल लाइन ईलाके में पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर विनय चौधरी के निलंबन को 180 दिनों के लिए बढ़ाने की भी सिफारिश की है. विनय चौधरी को उपराज्यपाल ने सिविल लाइन स्थित 6, फ्लैगस्टाफ रोड के निर्माण में अनियमितताओं के मामले में निलंबित किया था. उपराज्यपाल ने यह स्पष्ट किया है कि नई सरकार यमुना को स्वच्छ बनाने, दिल्ली को साफ-सुथरा बनाने की दिशा में जो भी काम कर रही है, उसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

चिन्हित जलभराव प्वाइंट- बता दें कि एक दिन पहले ही पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने यह स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मानसून के दौरान यदि किसी भी चिन्हित जलभराव प्वाइंट पर बारिश के दौरान पानी भरता है, तो संबंधित इंजीनियर के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें निलंबन भी शामिल होगा. उन्होंने हर प्वाइंट पर प्रोजेक्ट इंजीनियर को ही रिव्यू ऑफिसर नियुक्त करने, जो पूरी लॉजिस्टिक व्यवस्था और निगरानी की रिपोर्ट तैयार करेंगे. साथ ही, हर जलभराव प्वाइंट पर पंप ऑपरेटर तीन शिफ्टों में 24×7 तैनात रहने के निर्देश दिए थे.

दिल्ली में 100 जगहों पर तैनात होंगी फायर ब्रिगेड की छोटी गाड़ियां, संकरी गलियों में तुरंत पहुंचकर बुझांएगी आग

नई दिल्ली- दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ कनॉट प्लेस स्थित दिल्ली फायर सर्विस मुख्यालय का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद आशीष सूद ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली फायर डिपार्टमेंट को देश ही नहीं पूरी दुनिया की सबसे बेहतर तकनीकी सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है.दिल्ली फायर सर्विस की दशा और दिशा सुधारने के साथ ही आधुनिक मशीनों और नई तकनीक से लैस करने के लिए अबकी बार बजट में 110 करोड़ रुपए का अलग से प्रावधान किया है. ताकि पूरे विश्व में आग बुझाने वाले सबसे आधुनिक उपकरण दिल्ली फायर सर्विस के पास मौजूद हो.उन्होंने कहा दिल्ली फायर सर्विस के लिए वॉटर बोसर, हाई-टेक फायर टावर, हज़मत वैन, रोबोट फायर फाइटर, ड्रोन के साथ और नए एयरियल लैडर प्लेटफॉर्म खरीदे जाएंगे, ताकि गर्मियों में आग से बचाव के लिए बेहतर इंतजाम हो सके.

मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली में फिलहाल 86 फायर स्टेशन हैं. फायर स्टेशन की संख्या बढ़ाने के साथ ही भविष्य में दमकल की गाड़ियों के साथ आधुनिक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस सेवा भी मुहैया कराने की तैयारी में हैं. ताकि आग लगने की घटना में हताहत होने वाले लोगों को मौके पर ही चिकित्सा सुविधा मिल सके. साथ ही आग बुझाने में जुटे जवानों को भी जरूरत पड़ने पर तुरंत मेडिकल इमरजेंसी की सुविधा मिल सके. मंत्री और मुख्यमंत्री दोनों आग पर काबू पाने वाली हाई टेक फायर टावर पर भी चढ़े और उसका जायजा लिया. आशीष सूद ने कहा कि हम देश की राजधानी में हैं और प्रधानमंत्री की सीधी निगरानी में हैं. प्रधानमंत्री के विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए दिल्ली फायर सर्विस को दुनिया की सबसे सुरक्षित और आधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है.

मंत्री ने कहा कि दिल्ली फायर सर्विस को और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए 100 नए छोटे दमकल वाहन तैनात किए जाएंगे, ताकि दिल्ली की संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आग लगने पर जल्दी काबू पाया जा सके.

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में दिल्ली के सभी बाजार बंद, लगभग 1500 करोड़ का व्यापार प्रभावित

कीर्ति अग्रवाल

नई दिल्ली- पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में आज शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में बाजार बंद है. चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने आतंकवादी हमले के विरोध में इस बंद का आह्वान किया गया है. इससे लगभग 1500 करोड़ रुपए का व्यापार और करीब 8 लाख दुकानें प्रभावित हैं.इससे पहले गुरुवार को व्यापारिक संगठनों ने पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए दिल्ली के अलग-अलग बाजारों में कैंडल मार्च निकाला. इनमें खान मार्केट, कॉनॉट प्लेस आदि बाजार शामिल हैं. सीटीआई ने कहा था कि इस आह्वान के जवाब में 100 से अधिक बाजार बंद रहने की उम्मीद है.

सीटीआई और 100 से अधिक व्यापारिक संगठनों के सदस्यों ने गुरुवार को काली पट्टी बांधकर कनॉट प्लेस में अपना विरोध दर्ज कराया. कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, भागीरथ प्लेस, राजौरी गार्डन और सरोजिनी नगर के प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने मार्च में हिस्सा लिया.

शुक्रवार के बंद का समर्थन करने वाले बाजारों में सदर बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधीनगर, नया बाजार, खारी बावली, चावड़ी बाजार, हिंदुस्तान मर्केंटाइल (चांदनी चौक), जामा मस्जिद और हौज काजी शामिल हैं. सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि व्यापारी समुदाय इस घटना से बेहद दुखी हैं और हमले की निंदा करने में एकजुट हैं. बता दें कि कपड़ा, मसाला, बर्तन और सर्राफा बाजारों के विभिन्न व्यापारी संघ भी बंद में हिस्सा लेंगे.खान मार्केट में व्यापारियों ने निकाला कैंडल मार्च- सीटीआई के

उपाध्यक्ष राहुल अदलखा ने कहा कि व्यापारियों में व्यापक गुस्सा है. खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन ने कैंडल मार्च में हिस्सा लेने के लिए शाम 7.30 बजे अपनी दुकानें बंद कर दीं. उन्होंने अपने सिर पर काली पट्टी बांधी और एक मिनट का मौन रखा. सीटीआई ने व्यापारिक समुदाय से शांतिपूर्ण तरीके से बंद का पालन करने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से खड़े रहने का आग्रह किया है. देशभर के राजनीतिक और व्यापारिक समूह और नागरिक समाज संगठन पहलगाम में नागरिकों की हत्याओं के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सड़कों पर उतरे रहे हैं. गौरतलब है कि, पहलगाम में मारे गए 26 लोगों में एक विदेशी नागरिक और जम्मू-कश्मीर का एक निवासी भी शामिल है. यह 2019 के पुलवामा हमले के बाद कश्मीर घाटी में सबसे घातक हमला है.

सामयिक आलेख-जयतु संस्कृतं जयतु भारत

देश के दिल दिल्ली से राष्ट्र को संस्कृतमय करने की पहल

दिल्ली के 1008 स्थानों पर आज से संस्कृत संभाषण के शिविरों की शुरुआत

सुशील कुमार नवीन

दिल्ली देश का दिल है। यहां पर हुई कोई भी हलचल या गतिविधि अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी पहचान स्थापित करती है। देवभाषा संस्कृत के प्रचार और प्रसार में पिछले 44 वर्षों से समर्पित अंतरराष्ट्रीय संगठन संस्कृत भारती दिल्ली से ही 23 अप्रैल से संस्कृत संभाषण का विशेष महाभियान शुरू करने जा रहा है। इसके तहत दिल्ली के विभिन्न 1008 स्थानों पर संस्कृत संभाषण शिविरों के माध्यम से दस हजार से भी अधिक परिवारों को अपने साथ प्रत्यक्ष रूप से जोड़ा जाएगा। दस दिनों तक चलने वाले इन संभाषण शिविरों के माध्यम से प्रशिक्षित कार्यकर्ता शिक्षक का दायित्व निर्वहन कर 50 हजार से अधिक लोगों को संस्कृत संभाषण में दक्ष करने का कार्य करेंगे। इसका समापन 4 मई को एक बड़े आयोजन के साथ होगा।

संस्कृत भारती के अनुसार किसी भी राष्ट्र की अखण्डता के लिए सांस्कृतिक भाषा एक आवश्यक वैचारिक आधार है। संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी होने के कारण सभी देशवासियों को एकत्र करने की भूमिका बहुत प्रभावी ढंग से निभा सकती है। दर्शन, साहित्य, विज्ञान,ज्योतिष, वास्तुकला, आयुर्वेद, योग, गणित, संगीत आदि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के ज्ञानकोष की कुञ्जी संस्कृत है। संस्कृतभाषा को जन-जन की व्यवहार भाषा बनाने के लिए 1981 में संस्कृतभारती संगठन की शुरुआत हुई जो आज एक वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। संस्कृत के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित शिक्षकों, संयोजकों, विद्वान् मार्गदर्शकों के साथ-साथ समाज में अनेक प्रकार से सहयोगीजनों का राष्ट्रव्यापी मंच देकर संस्कृतभारती ने कार्य को और गति प्रदान की है।

संस्कृत भारती विविध कार्यक्रमों के माध्यम से संस्कृत को समाज तक ले जाती है। संस्कृत सम्भाषण शिविरों के माध्यम से संस्कृत भारती द्वारा दस दिन तक प्रतिदिन दो घंटे संस्कृत बोलने का प्रशिक्षण अत्यन्त रोचक विधि से अन्य भाषा के प्रयोग के बिना शब्द, वाक्य, कथा, अभिनय प्रदर्शन, गीत आदि के माध्यम से परस्पर वार्तालाप से दिया जाता है। देशभर में अब तक इस तरह के एक लाख से अधिक शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। सम्भाषण शिवरों के माध्यम से संस्कृतभारती ने अभी तक विश्वभर में दो करोड़ लोगों को संस्कृत सम्भाषण में सक्षम करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को संस्कृत में शिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया जा चुका है। विश्व के 26 देशों में 45 सौ से अधिक केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

संस्कृत भारत की सबसे प्राचीन भाषा है। इसे देश के जन जन तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते हैं। संस्कृत भारती दिल्ली द्वारा यहां से एक बड़े आयोजन की कार्य योजना बनाई गई। इसके तहत दिल्ली में एक साथ 1008 संस्कृत संभाषण शिविरों के संचालन पर सहमति बनी। इसके लिए 1000 से अधिक कार्यकर्ताओं को पहले विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर प्रशिक्षित किया गया। इसी के तहत बुधवार 23 अप्रैल से शिविरों का महाभियान शुरू हो रहा है।

संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए संस्कृत भारती का यह कोई एक मात्र कार्यक्रम नहीं है। साप्ताहिक मेलन सम्भाषण शिविर का ही अनुवर्ती कार्यक्रम है। इसके तहत सप्ताह में एक दिन दो घण्टे के लिए एकत्र आकर संस्कृतवातावरण में रहकर पुनः संस्कृत सम्भाषण का अभ्यास करते हैं। नए लोगों का भी संस्कृत से परिचय कराने में भी यह लाभदायक साबित होता है। इसी क्रम में दस दिवसीय आवासीय प्रबोधन वर्ग का आयोजन किया जाता है। इसके तहत अखण्ड संस्कृत वातावरण में रहते हुए संस्कृत में ही चिन्तन मनन के लिए प्रेरित कर सहज भाव से संस्कृत को व्यवहार में लाने का सामर्थ्य पैदा किया जाता है। इसी कड़ी में प्रशिक्षणवर्ग संस्कृत सम्भाषण शिविर शिक्षकों के निर्माण के लिए विशेष वर्ग है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी समाज में जाकर सम्भाषण शिविर चलाते हैं। संस्कृत को संस्कृत माध्यम से पढ़ाने का प्रशिक्षण भी इसी वर्ग में प्राप्त होता है।

साहित्य प्रकाशन के माध्यम से संस्कृत भारती द्वारा सरल और रुचिकर पद्धति से व्याकरण, उपन्यास, कथा, बाल गीत, नाटक भगवद् गीता, सुभाषित, यात्रावृत्तान्त, वैचारिक लेख, भाषाभ्यास इत्यादि विषयों पर लगभग 300 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है। मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि को गीता जयन्ती के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण प्रदेश में अखण्ड गीता पाठ, गीता शोभायात्रा एवं गीता प्रतियोगिताओं का अनेक स्थानों पर आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष रक्षा बन्धन केर

दिल्ली पुलिस का बड़ा मिशन सट्टा और अवैध गतिविधियों पर कसेगा शिकंजा

दिल्ली-- (सविता चौधरी) शाहदरा जिला अंतर्गत थाना सीमापुरी की पुलिस आने वाले दिनों में 70 फुटा रोड, नई सीमापुरी इलाके में चल रही अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है।

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की रडार पर अब ऐसे गिरोह हैं जो कबूतरबाज़ी, तितली हथकड़ी और सट्टा जैसे गैरकानूनी धंधों को बढ़ावा दे रहे हैं।

सूत्रों के कथन अनुसार इन गतिविधियों को कथित रूप से मान सिंह, इरफान और इस्तकार से जुड़े लोगों द्वारा संचालित किया जा रहा है। हालांकि, सीमापुरी थाने की कर्मठ और निष्ठावान बीट ऑफिसर इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए, इन अपराधियों के खिलाफ पुख्ता साक्ष्यों के साथ कार्रवाई की योजना बना रहे है।

स्थानीय नागरिकों की भी उम्मीदें पुलिस पर टिकी हुई हैं। सीमापुरी क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि पुलिस अपने पुराने रिकॉर्ड की तरह एक बार फिर से इन अवैध कारोबारियों पर लगाम कसते हुए इलाके को सुरक्षित और शांत बनाए।

इस संदर्भ में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे क्षेत्र में गश्त और निगरानी को बढ़ा रहे हैं और जल्द ही ऐसे असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई होगी। सीमापुरी पुलिस का यह मिशन आने वाले दिनों में अपराधियों के लिए बड़ा सबक साबित हो सकता है।

सीमापुरी में पुलिस पोस्ट के पास खुलेआम चल रहा सट्टेबाजी का कारोबार

स्थानीय बीट अधिकारीयो पर उठ रहे सवाल

दिल्ली - शाहदरा जिले के सीमापुरी थाना क्षेत्र में नई सीमापुरी कॉलोनी की 70 फुटा रोड पर स्थित पुलिस बूथ के बिल्कुल नजदीक, खुलेआम कबूतरबाजी, तितली हथकड़ी और सट्टा लिखने का अवैध धंधा चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ क्षेत्र के बीट अधिकारीयो की लापरवाही से हो रहा है, जिन्हें कर्मठ, निष्ठावान और जुझारू बताया जाता है।

सूत्रों के अनुसार, इन अवैध गतिविधियों के पीछे मान सिंह, इरफान और इस्तकार नामक लोगों का नाम सामने आया है, जो इस पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहे हैं। यह मामला तब और भी गंभीर हो जाता है जब देश के गृहमंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और दिल्ली पुलिस आयुक्त द्वारा अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को खुलेआम ठेंगा दिखाया जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार पुलिस को अवगत करने के बाबजूद भी कार्रवाई न के बराबर हुई। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय पुलिस अधिकारियों को इस मामले की गंभीरता से जांच कराये और आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई सुनिश्चित करके जनता के भरोसे पर खरा उतरे।

नोएडा में पुलिस और बदमाशों के बीच हुए दो एनकाउंटर में दो बदमाशों को लगी गोली

नोएडा - नोएडा सेंट्रल ज़ोन के थाना ईकोटेक-3 और थाना सैक्टर 142 में हुई पुलिस चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाशों से हुई मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गये, जिनमें गैंगस्टर और 15 हजार का इनामी भी शामिल है. दोनों बदमाशों को कॉम्बिंग के बाद गिरफ्तार किया गया. घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इनके पास से 50 हजार नगद, ज्वेलरी और तमंचा कारतूस और बाइक बरामद किया गया.चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाशों से मुठभेड़ - नोएडा सेंट्रल ज़ोन के थाना ईकोटेक-3 और थाना सेक्टर 142 हुई पुलिस की चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाशों से हुई मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गये, जिनमें गैंगस्टर और 15 हजार का इनामी भी शामिल है. दो बदमाशों को कॉम्बिंग के बाद गिरफ्तार किया गया. घायल बदमाशों

को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इनके पास से 50 हजार नगद, ज्वेलरी और तमंचा कारतूस और बाइक बरामद किया गया.

लखनावली पुस्ता रोड पर मुठभेड़ - थाना ईकोटेक-3 पुलिस और बाइक सवार तीन बदमाशों के बीच चेकिंग के दौरान लखनावली पुस्ता रोड पर उस समय मुठभेड़ हो गयी जब बदमाशों ने पुलिस द्वारा रोके जाने पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने लगे. जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्यवाही में गोली लगने से गगन उर्फ जीनू उर्फ शिवम घायल हो गया, जबकि पुलिस ने मनी और सुहेल उर्फ गोलू को कॉम्बिंग के बाद गिरफ्तार किया.

मेयर बनने के बाद राजा इक़बाल का दावा, तीन महीने में दिल्ली में दिखेगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली- नगर निगम का मेयर निर्वाचित होने के बाद राजा इकबाल सिंह ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और कहा कि पिछले ढाई साल में जो आम आदमी पार्टी ने जो बदहाली दिल्ली की है, कोशिश करेंगे की तीन महीने में दिल्ली को साफ और स्वच्छ करें.

उन्होंने कहा की दिल्ली को जलवाराव से मुक्त करना, कूड़े के पहाड़ को हटाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है. मानसून में जल भराव ना हो इसके लिए जल निकासी की पूरी व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने कहा कि पिछले ढाई सालों से दिल्ली के पार्कों का बुरा हाल है. पार्कों में हरियाली नहीं है. पार्कों की हरियाली के लिए काम किया जाएगा. दिल्ली को हरियाली के तरफ लेकर जाएंगे. दिल्ली के प्रदूषण को कम किया जाएगा.

नवनिर्वाचित मेयर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के बढ़ते भ्रष्टाचार को कम किया जाएगा. दिल्ली नगर निगम में फैले इंस्पेक्टर राज को खत्म किया जाएगा. आम आदमी पार्टी में जो यूजर चार्ज लगाया था उसे वापस लिया जाएगा. आम आदमी से पार्टी सरकार में निगम के शिक्षा के स्तर में भारी गिरावट आई है. उसे फिर से ठीक किया जाएगा. बच्चों को पाठ्य सगमग्री तय समय पर मिलेगा.

सुनिए क्या बोले- दिल्ली के नए मेयर राजा इकबाल सिंह (श्वझ्ङ्क क्द्धड्डद्गद्ग)

दिल्ली नगर निगम के स्कूल और डिस्पेंसरी के स्तर को सुधारा जाएगा

मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि एक महीने में अस्थाई समिति का भी गठन होगा और निगमनिगम की सभी समितियां बनेगी.

कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के मुद्दे पर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि नियम के अनुरूप सभी कच्चे कर्मचारियों को नियम के तहत पक्का किया जाएगा. उन्होंने कहा कि जब भी कच्चे कर्मचारियों के हित का पूरा ख्याल रखा जाएगा.

सार संक्षेप

सालों की चुप्पी के स्वेता तिवारी के पूर्व पति ने कबूला अपना गुनाह

मुंबई: श्वेता तिवारी के पूर्व पति राजा चौधरी ने अपनी पिछली गलतियों के बारे में बताया और बताया कि उन्हें किस बात का सबसे ज्यादा पछतावा है। राजा चौधरी, जो रियलिटी शो बिग बॉस 2 में नजर आए थे, जहाँ वे पहले रनर अप के रूप में उभरे थे। रियलिटी शो बिग बॉस 2 से जाना-पहचाना चेहरा राजा चौधरी अपने अभिनय सफर में एक नया अध्याय शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्हें प्रशंसित ऐतिहासिक कॉमेडी सीरीज तेनाली रामा में एक महत्वपूर्ण भूमिका मिली है, जिसमें वह चौदपा राया का किरदार निभाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में राजा ने अक्सर मीडिया का ध्यान आकर्षित किया है, न केवल अपने पेशेवर प्रयासों के लिए, बल्कि अपने अशांत निजी जीवन के लिए भी, जिसमें अभिनेत्री श्वेता तिवारी से उनका बहुचर्चित तलाक और शराब की लत के साथ उनका दीर्घकालिक संघर्ष शामिल है। श्वेता तिवारी के पूर्व पति राजा चौधरी ने अपनी पिछली गलतियों के बारे में बताया और बताया कि उन्हें किस बात का सबसे ज्यादा पछतावा है। राजा चौधरी, जो रियलिटी शो बिग बॉस 2 में नजर आए थे, जहाँ वे पहले रनर अप के रूप में उभरे थे, अब अपने अभिनय के सफर में एक और छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में अभिनेता ने ऐतिहासिक कॉमेडी सीरीज तेनाली रामा के लिए एक भूमिका हासिल की है, जहाँ वे चौदपा राया का किरदार निभाएंगे। राजा चौधरी की निजी ज़िंदगी अक्सर उनकी पेशेवर उपलब्धियों पर हावी रही है, जिसमें श्वेता तिवारी से उनका हाई-प्रोफाइल तलाक और शराब की लत से जूझना अक्सर सुर्खियाँ बनती हैं।

रूस यूक्रेन समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है, विवरण पर चर्चा जारी: लावरोव

मास्को, (वार्ता): रूस यूक्रेन के साथ संघर्ष के समाधान पर एक समझौते पर पहुंचने को तैयार है, लेकिन सौदे के कुछ प्रावधानों को अभी भी ठीक करने की आवश्यकता है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को एक साक्षात्कार में यह बात कही। लावरोव ने अमेरिकी प्रसारक 'सीबीएस' न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान में एक समझौते का उल्लेख है, और हम एक समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी भी कुछ विशिष्ट बिंदु हैं - इस सौदे के तत्व जिन्हें ठीक करने की आवश्यकता है। गुरुवार रात को साक्षात्कार के अंश प्रकाशित किए गए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार रविवार को पूरा संस्करण प्रसारित किया जाएगा। इससे पहले श्री ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि रूस और यूक्रेन इस सप्ताह एक समझौता करेंगे। गुरुवार को ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यूक्रेनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर वार्ता में भागीदारी के लिए अपनी समय सीमा निर्धारित की है, लेकिन इसका खुलासा नहीं किया।

संरा महासचिव ने भारत, पाकिस्तान से संयम बरतने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली: पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में बढ़ती कड़वाहट के बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से अधिकतम संयम बरतने और यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि स्थिति और न बिगड़े। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने गुरुवार को दैनिक प्रेस वार्ता में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासचिव का दोनों देशों में से किसी के साथ कोई सीधा संपर्क नहीं है, "लेकिन मैं पुष्टि कर सकता हूं कि वह स्थिति पर बहुत बारीकी से और बहुत चिंता के साथ नजर रख रहे हैं। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र 21 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने में बहुत स्पष्ट है जिसमें पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को मार डाला था। उन्होंने कहा, "हम दो दिन पहले जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने में बहुत स्पष्ट थे, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए।

गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में 50 से अधिक लोग मारे गए

गाजा: गाजा पट्टी पर गुरुवार सुबह से इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या 52 हो गई है, जिनमें से 39 गाजा शहर और एन्क्लेव के उत्तरी इलाकों में हुए हमलों में मारे गए हैं। अल जजीरा प्रसारक ने फिलिस्तीनी चिकित्सा स्रोतों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। गुरुवार को रिपोर्ट में कहा गया कि हमले जबालिया, देइर अल बलाह और खान यूनिस शहरों पर भी किए गए, जिनमें वे घर भी शामिल हैं जहां शरणार्थियों को ठहराया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि एन्क्लेव के उत्तर में कुछ इलाकों में तोपखाने की गोलाबारी की गई। गाजा पट्टी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 18 मार्च को शत्रुता फिर से शुरू होने के बाद से 1,900 से अधिक लोग मारे गए हैं और 5,000 से अधिक घायल हुए हैं।

थाईलैंड में पुलिस विमान दुर्घटनाग्रस्त, छह की मौत

बैंकॉक: थाईलैंड के फेत्चाबुरी प्रांत के रिसॉर्ट शहर हुआ हिन के तट के पास शुक्रवार सुबह एक छोटा पुलिस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। थाई पुलिस ने यह जानकारी दी। थाई राष्ट्रीय पुलिस ने अपने सोशल मीडिया पेज पर कहा कि पुलिस विमानन प्रभाग का विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब विमान पैराशूट प्रशिक्षण के लिए परीक्षण उड़ान भर रहा था। दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी। फेत्चाबुरी प्रांत के पुलिस आपातकालीन केंद्र ने कहा कि उन्हें सुबह करीब 8:15 बजे एक स्थानीय रिसॉर्ट के पास समुद्र में एक विमान के गिरने की सूचना मिली।

हर्षल पटेल ने चेन्नई को रोका

झटके चार विकेट, हैदराबाद ने चेन्नई को पांच विकेट से हराया

● चेपॉक

हर्षल पटेल (चार विकेट), कप्तान पैट कमिंस और जयदेव उनादकट (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 43वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को रनों के 154 रन स्कोर पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने 18.4 ओवर में पांच विकेट खोकर 155 रन बनाकर मैच पांच विकेट से अपने नाम किया। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंबदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में शेख राशिद (00) का विकेट गवां दिया। राशिद को मोहम्मद शमी ने आउट किया। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये सैम करन ने आयुष म्हात्रे ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। पांचवें ओवर में हर्षल पटेल ने सैम कुरेन (नौ) को आउटकर चेन्नई को दूसरा झटका दिया। इसके बाद पैट कमिंस ने आयुष म्हात्रे 19 गेंदों में (30) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। चेन्नई का चौथा विकेट 10वें ओवर में रविंद्र जडेजा (21) के रूप में गिरा। चेन्नई को बड़े स्कोर की ओर ले जा रहे डेवाल्ड ब्रेविस को हर्षल ने आउट किया। डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंदों में चार छक्के और एक चौका लगाते हुए सर्वाधिक (42) रन बनाए। शिवम दुबे (12) और दीपक हुड्डा (22) को जयदेव उनादकट को आउट किया। महेन्द्र सिंह धोनी (06) और नूर अहमद (दो) को हर्षल ने आउट किया।

यूपी स्टेट सब जूनियर कराटे में लखनऊ ने जमायी धाक

लखनऊ : मेजबान लखनऊ के खिलाड़ियों ने यूपी स्टेट सब जूनियर, कैडेट, जूनियर कराटे चैंपियनशिप-2025 के पहले दिन पांच स्वर्ण पदक जीतकर अपनी धाक जमाई। कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के तत्वावधान में कराटे एसोसिएशन ऑफ लखनऊ द्वारा चौक स्टेडियम स्थित लालजी टंडन बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप में पहले दिन लखनऊ के खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य सहित 10 पदक अपने नाम किए। गौतमबुद्ध नगर ने भी 2 स्वर्ण, 3 रजत व 5 कांस्य पदक सहित 10 पदक जीतकर मेजबान को कांटे की टक्कर दी। दूसरी ओर वाराणसी ने 2 स्वर्ण सहित 13 पदक और गाजियाबाद ने 2 स्वर्ण सहित 9 पदकों के साथ दमदार प्रदर्शन किया। लखनऊ के लिए विवान आहूजा ने जूनियर बालक काता, भावनी शर्मा ने जूनियर बालिका काता, श्रेष्ठ श्रीवास्तव ने कैडेट बालक काता और ईशान्या पाण्डेय ने जूनियर बालिका कुमिते के 42 किग्रा से कम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। वहीं लखनऊ को जूनियर बालक टीम काता में भी पहला स्थान मिला।

मंडाविया ने किया दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप का उद्घाटन

नई दिल्ली : केन्द्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को दीप प्रज्जवलित कर दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव कुश्ती हॉल में आयोजित समारोह डा. मंडाविया ने दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप के अवसर पर कहा कि योग मानवता के लिए एक उपहार है। ये हमारी विरासत है और हम भाग्यशाली हैं कि यह हमें मिली। मैं चाहता हूं कि योग ओलंपिक खेलो में शामिल हो। समारोह के दौरान विभिन्न स्कूलों की छात्र और छात्रों ने नृत्य और योग के आसन के जरिए योग के महत्व को प्रदर्शित किया। इस चैंपियनशिप में जापान पहली बार भाग ले रहा है और कुल 16 देशों की टीमें भाग ले रही है।

पंचवटी अकादमी ने जीता अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट

टूर्नामेंट में केशव ने 385 रन और उमंग यादव ने बनाए 365 रन आर्यन ने झटके 10 विकेट

मेरठ: श्रीनाथजी के ग्राउंड पर अचीवर कप अंडर 13 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच पंचवटी अकादमी व डीएमए अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें डीएमए अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 28.3 ओवरों में सभी विकेट 159 रन बनाए। शुभांकर ने 61, केशव कुमार ने 27 व केशव ने 20 रन बनाए। पंचवटी के गेंदबाज हर्ष राणा, नव्या ने दो-दो व शुभ गुर्जर-आयुष शर्मा, आर्यन और सचिन यादव ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंचवटी अकादमी की टीम ने उमंग यादव की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी 44 गेंद पर 15 चौके और तीन छक्के की मदद से 89 रनों की पारी की बदौलत 17 ओवरों में दो विकेट खोकर लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। नव्या ने नाबाद 21 रन और हर्ष राणा ने नाबाद 16 रन बनाए। डीएमए के गेंदबाज सूरज ने एक विकेट लिया। पंचवटी अकादमी ने 8 विकटों से मैच को जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैन ऑफ द मैच उमंग यादव, फाइटर ऑफ द मैच शुभांकर व मैन ऑफ द सीरीज केशव कुमार, बेस्ट बैट्समैन उमंग यादव, बेस्ट बॉलर रहे आर्यन को पंचवटी कॉलेज सेक्रेटरी प्राची गुप्ता, प्रिंसिपल मनोज गुप्ता, रजिस्ट्रार राकेश कुमार, रत्नेश यादव, राहुल, तुषार, कोच उमेश कुमार ने सभी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

चोटिल पाउला बडोसा ने मैड्रिड ओपन से नाम लिया वापस

● मैड्रिड

स्पेन की महिला टेनिस स्टार पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया हैं।

पाउला बडोसा का शुक्रवार को मैड्रिड ओपन से नाम वापस लेने की घोषणा करना स्पेन के टेनिस प्रशंसकों के लिए यह दोहरा झटका है। इससे पहले विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज कमर की चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। बडोसा ने आज सोशल मीडिया मंच पर टूर्नामेंट से वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा कि सभी को नमस्कार, मैं आपको बताना चाहती हूं कि दुर्भाग्य से मैं मैड्रिड ओपन में भाग नहीं ले पाऊंगी। मैंने आखिरी मिनट तक हर संभव प्रयास किया।

आप जानते हैं कि मुझे घर पर खेलना पसंद है, लेकिन चोट के कारण मुझे परेशानी हो रही है।

अफगानिस्तान में छत ढहने से दो बच्चों की मौत

काबुल: दक्षिण अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में मिट्टी से एक मकान की छत ढह जाने से दो बच्चों की मौत हो गयी और सात अन्य घायल हो गए है। स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रांतीय निदेशक मुल्लाह अब्दुल सलाम ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात को हुई जब बच्चों के परिवार वाले प्रांत की राजधानी कंधार शहर के पुलिस जिला 15 के बाहरी इलाके में रात के भोजन की पार्टी के लिए इकट्ठा हुए थे। उन्होंने बताया कि घायल बच्चों को इलाज के लिए नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र में स्थानांतरित किया गया है जहां दो बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। अफगानिस्तान के दूरदराज इलाकों में ज्यादातर आवासीय मकान मिट्टी के बने होने के कारण प्राय ढह जाते है।

सेना भेजने की योजना त्यागने की संभावना

मॉस्को : ब्रिटेन अब यूक्रेन में हजारों सैनिक भेजने के विचार को त्यागने की योजना बना रहा है क्योंकि वहां सेना को भेजने में जोखिम बहुत अधिक है। टाइम्स अखबार ने ब्रिटिश सूत्रों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। "इच्छुक गठबंधन" के बारे में चर्चा में शामिल एक सूत्र ने कहा, "जोखिम बहुत अधिक है और इस तरह के कार्य के लिए सेना अपर्याप्त है। यह हमेशा ब्रिटेन का विचार था। फ्रांस ही अधिक सशक्त दृष्टिकोण चाहता था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा प्रतिबद्धता यूक्रेन के सशस्त्र बलों के पुनर्गठन और पुनः शस्त्रीकरण पर केंद्रित होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 27 मार्च को पेरिस में "इच्छुक गठबंधन" के शिखर सम्मेलन की मेजबानी के बाद कहा कि कई देश "निवारक बलों" के रूप में यूक्रेन में सेना भेजना चाहते हैं।

लश्कर-ए-तैयबा की उल्टी गिनती शुरू

ब्रिटिश: ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी शुक्रवार को पहलगाम आतंकी हमले पर को वीभत्स घटना करार दिया है। स्टारमर ने ब्रिटिश लोगों की ओर से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने पर सहमति जताई। गुरुवार को विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन बैकबेंच बिजनेस कमेटी के अध्यक्ष ने हाउस ऑफ कॉमन्स में पहलगाम आतंकी हमले का मुद्दा उठाया था। पीटीआई, लंदन। दुनिया के ज्यादातर नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। फ्रांस, इटली सहित कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने पीएम मोदी से फोन पर बातचीत कर घटना पर चिंता जताई। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी शुक्रवार को पहलगाम आतंकी हमले पर को 'वीभत्स' घटना करार दिया है। स्टारमर ने ब्रिटिश लोगों की ओर से अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने पर सहमति जताई।

राष्ट्रपति द्रौपदी राष्ट्रपति द्रौपदी पोप फ्रांसिस के राजकीय अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए वेटिकन सिटी के लिए रवाना हुईं।

राष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्री वेटिकन सिटी रवाना

● नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के साथ पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वेटिकन सिटी रवाना हुईं। प्रतिनिधिमंडल में अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा भी शामिल हैं। पोप फ्रांसिस का 21 अप्रैल को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था.

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि 25-26 अप्रैल की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इसके साथ ही वह

पोप फ्रांसिस का 21 अप्रैल को 88 वर्ष की आयु में हो गया था निधन

सरकार और भारत के लोगों की ओर से संवेदना व्यक्त करेंगी. राष्ट्रपति वेटिकन सिटी में सेंट पीटर बेसिलिका में दिवंगत पोप को पुष्पांजलि अर्पित करेंगी।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, वह 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में सेंट पीटर में अंतिम संस्कार में शामिल होंगी, जिसमें कई वैश्विक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। वेटिकन ने गुरुवार को बताया कि करीब 130 विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने की पुष्टि की है, जिसमें 50 राष्ट्राध्यक्ष और 10 राजघराने शामिल हैं।

पोप फ्रांसिस के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संदेश में कहा, ह्यपरम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हूं. दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं. पोप फ्रांसिस को हमेशा दुनिया भर के लाखों लोग करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद करेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था. उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की. जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई।

भारत नाकामी छिपाने के लिए पाक पर इल्जाम लगा रहा

पाक के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहलगाम हमले के आतंकियों को स्वतंत्रता सेनानी कहा

● इस्लामाबाद

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि पहलगाम में हमला करने वाले फ्रीडम फाइटर्स हो सकते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहलगाम हमले के आतंकियों को स्वतंत्रता सेनानी कहा है। डार ने कहा- हमें शुक्रगुजार होना चाहिए कि ये तो फ्रीडम फाइटर्स भी हो सकते हैं। हालांकि, हम नहीं जानते कि ये कौन हैं। मुझे लगता है कि वे अपनी नाकामी और अपनी घरेलू राजनीति के लिए पाकिस्तान पर इल्जाम लगा रहे हैं।

इशाक डार पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत के पास इस हमले में पाकिस्तान के शामिल होने का कोई सबूत है तो इसे दुनिया के सामने पेश करे। डार ने कहा कि भारत बार-बार पाकिस्तान पर ऐसी घटनाओं का

आरोप लगाता रहा है। इस बार भी भारत ने वही खेल खेला है। डार ने कहा, 'इन हालात को देखते हुए मैंने बांग्लादेश और अफगानिस्तान की अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं, ताकि हम कूटनीतिक प्रतिक्रिया तैयार कर सकें।' भारत की बढ़ती आक्रामकता को लेकर विदेश मंत्री डार ने कहा कि पाकिस्तान भी भारत की तरह कदम उठाएगा। पाकिस्तानी सीनेट ने एक बिल पास कर पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान पर लगाने की भारत की कोशिश को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार ने ये रेजोल्यूशन पेश किया, जिसे संसद के ऊपरी सदन में सभी पार्टियों का समर्थन मिला। इस रेजोल्यूशन में कहा गया कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए किसी भी तरह के हमले, आतंकवाद या सैन्य उकसावे से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस रेजोल्यूशन में पाकिस्तान को इस हमले से जोड़ने की सभी बेतुकी और बेबुनियादी कोशिशों को भी खारिज कर दिया गया और कहा गया कि मासूमों की हत्या करना पाकिस्तान के उसूलों के खिलाफ है।

इसरो के वैज्ञानिक सचिव गणेश पिल्लई और चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज टेक्नोलॉजी (एससीटीआईएमएसटी) के निदेशक डॉ. संजय बिहारी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में 'अंतरिक्ष चिकित्सा में सहयोग पर रूपरेखा समझौता ज्ञापन' पर हस्ताक्षर किए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-शिव कुमार अग्रवाल द्वारा कारे प्रिंटिंग प्रेस, 574/ए/3, विजय पार्क गली नं0 2, मौजपुर, दिल्ली-110053 से मुद्रित एवं डी-268, आनन्द विहार, दिल्ली-92 से प्रत्येक सोमवार को प्रकाशित।
फोन/मोब.-9213912496, लेखक के विचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी कानूनी वाद-विवाद दिल्ली में ही मान्य होगा। RNI No: DELHIN/2004/13919, E-mail-sbst_news@yahoo.co.in

आप भी अपना बहुमूल्य योगदान देकर इस समाचार पत्र शहीद भगत सिंह टाइम्स परिवार में शामिल हो सकते हैं तथा शहीदे आलम शहीद भगत सिंह की याद में मातृ भूमि की सेवा में समर्पित हो सकते हैं और इसके माध्यम से निष्पक्ष, निर्भीक आजाद विचार अपराध मुक्त, स्वच्छ समाज गठन करने में सरकार व समाज की सहायता कर सकते है। योगदान किसी भी रूप में हो सकता है अपना सुझाव, लेख, कविता, सूचना तथा विज्ञापन द्वारा आर्थिक सहायता करके।पता: डी-268, आनन्द विहार, दिल्ली-92 ब्रांच कार्यालय: ए-4/229-230, नन्द नगरी, दिल्ली-110093, Mob: 9213912496